विद्यान्त हिन्दू पी.जी. कॉलेज

असतो मा सद्गमय
तमसो मा ज्योतिर्गमय।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

विवरण पुस्तिका

B.A., B.Com., M.A., M.Com.

2026–27

PROSPECTUS

₹ 700/-

विद्यान्त हिन्दू पी. जी. कॉलेज, लखनऊ

(स्थापित 1954)

(लखनऊ विश्वविद्यालय)

www.vidyantcollege.org

संस्थापक प्रबन्धक

स्व. विक्टर नारायण विद्यान्त

एम० एससी०, एल० एल० बी०

भूतपूर्व अवै० मजिस्ट्रेट

श्री शिवाशीष घोष
प्रबन्धक

प्रो० धर्म कौर
प्राचार्य (शिक्षकश्री)

विवरण पुस्तिका

PROSPECTUS

संस्थापक प्रबन्धक स्व० विक्टर नारायण विद्यान्त

विभूतियों का वर्गीकरण हम साधारण लोगों की बात नहीं फिर भी इस बात को अस्वीकार नहीं किया जा सकता कि संसार में विभूतियों के प्रमुख दो वर्ग पाये जाते हैं। पहले वर्ग में वे लोग आते हैं, जो कुछ भी क्यों न करें उसका प्रचार और प्रसार अविलम्ब चारों दिशाओं में फैल जाता है। दूसरे वर्ग में वे लोग आते हैं जो निर्जन एवं नीरवता में जन कल्याण में लिप्त होते हैं, अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के पश्चात् नये लक्ष्यों के निर्धारण में समय नहीं लगाते और पुनः लोक के जीवन स्तर को अपनी अथक लगन, चेष्टा एवं उपलब्ध साधनों से परिपूर्णता की ओर अग्रसरित करते हैं। स्वर्गीय श्री विक्टर नारायण विद्यान्त इसी दूसरे वर्ग की विभूति थे। वे निर्धनों के साथ उनके सुख–दुःख से ओत–प्रोत होने में और अभागों के भाग्य निर्माण में आराधना और तप का आनन्द अनुभव करते थे।

लखनऊ शहर में स्वाधीनता आन्दोलन को बर्बर ब्रिटिश शासन द्वारा कुचला जा चुका था। समाज में नये समीकरणों की रचना हो रही थी, नयी बस्तियों को सजाया जा रहा था, रेलवे, पुलिस महकमों की स्थापना से न केवल राजनीतिक, सामाजिक बल्कि लखनऊ की आर्थिक गतिविधियाँ भी तीव्र होती जा रहीं थीं– कलकत्ता, मद्रास तथा बम्बई विश्वविद्यालयों की स्थापना की जा चुकी थी। अतः देश के कोने–कोने में प्रबुद्ध वर्ग की आपूर्ति इन्हीं मानव संसाधन केन्द्रों के द्वारा की जा रही थी। ऐसे समय में बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों से विद्वानों का आगमन प्रारम्भ हुआ। चिकित्सा क्षेत्र में डा० नवीन मित्रा, डा० रामलाल चक्रवर्ती, वित्तीय विद्वान राजा दक्षिणारंजन मुखर्जी तथा इंजीनियरिंग, स्थापत्य कला क्षेत्र के विद्वान श्री रामगोपाल विद्यान्त इस शहर को चार चाँद लगाने बंगाल छोड़कर आ बसे। एक कहावत है बंगाली सदैव अपने साथ अपनी संस्कृति को ले जाता है। यह कहना समीचीन होगा कि श्रीराम गोपाल विद्यान्त ने उत्तर प्रदेश में सर्वप्रथम नाटकों का मंचन प्रारम्भ किया। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने भी नाटकों का मंचन इनके बाद ही बनारस में प्रारम्भ किया था। श्री राम गोपाल विद्यान्त ने स्थानीय मकबूलगंज के प्रासाद तुल्य आवास में बंगला संस्कृति, नाटकों, वाद–विवाद प्रतियोगिता आदि का शुभारम्भ किया। कहा जाता है इनके आवास में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस अतिथि थे। इनके पुत्र श्री हरी प्रसाद विद्यान्त एवं इनके छोटे भाई स्थापत्य कला की पराकाष्ठा को प्राप्त कर चुके थे। लखनऊ के चारबाग स्थित भव्य रेलवे स्टेशन, इमामबाड़े के पास गोमती नदी पर स्थित विशालकाय लाल पुल, हजरतगंज स्थित सेन्ट्रल बैंक तथा इलाहाबाद बैंक के रमणीय भवन विद्यान्त परिवार की स्थापत्य कला की अमूल्य रचनाओं के नमूने हैं। श्री हरी प्रसाद विद्यान्त ने इन तमाम कार्यों के चलते अगाध सम्पत्ति का अर्जन किया परन्तु जीवन के अन्तिम समय में उनको अपने पिता स्व० राम गोपाल जी के कहे अन्तिम शब्द याद आये–''बेटा, मैं बचपन में नदी तैर कर स्कूल जाया करता था, शायद आज भी बच्चों को यही कष्ट हो रहा होगा, हो सके तो बच्चों के लिए एक स्कूल बनवा देना।'' श्री हरी प्रसाद जी अपने पिता से किये वादों को क्रियान्वित नहीं कर सके, अपने पुत्र रत्न श्री विक्टर नारायण विद्यान्त से केवल इन वाक्यों को कहकर इह लोक त्याग दिया।

विद्यान्त जी का जन्म ५ जनवरी, १८९५ को धनाढ्य परिवार में हुआ। वह पिता एवं चाचा के एकमात्र उत्तराधिकारी थे। वे बचपन से ही स्वावलम्बी तथा निर्भीक चरित्र के थे। इनका शैक्षिक प्रतिफल सदा प्रथम रहा। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से सन् १९१८ में भौतिकशास्त्र में श्रेष्ठता सूची में द्वितीय स्थान पाकर उत्तीर्ण हुए। प्रयोगात्मक परीक्षा में वे प्रथम आये। श्रेष्ठता सूची में प्रथम आने वाले डा० बनर्जी उनके परम मित्र थे। बनर्जी महोदय ने जब कैन्टबरी विश्वविद्यालय से पीएच–डी० उपाधि प्राप्त कर ली, तब विद्यान्त जी ने उनको अपना वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया। स्व० विद्यान्त जी को उनके अंग्रेज गुरूवर इंग्लैण्ड ले जाना चाहते थे, परन्तु दो भाइयों के आँखों के एकमात्र तारे, ऊपर से प्रथम विश्वयुद्ध का तत्क्षण समाप्त होना उनके इस पुनीत कार्य में बाधक सिद्ध हुआ। दुःखी होकर विद्यान्त जी ने एल०एल०बी० की पढ़ाई प्रारम्भ की। विधि स्नातक के

साथ–साथ उन्होंने मॉरिस कॉलेज (वर्त्तमान भातखण्डे संगीत विश्वविद्यालय) से सितार में विशारद की शिक्षा भी ग्रहण की। समाज सेवा उनकी रॅग–रॅग में समायी हुई थी। समय बीतता गया, पर पिता के कहे शब्द,'तुम्हारे दादा जी ने स्कूल खोलना चाहा था' सदैव उनके कानों में गूँजता रहा और कहीं देर न हो जाय यह सोचकर कतिपय साथियों पं० केशव नाथ मिश्र, श्री छैल बिहारी श्रीवास्तव, श्री जामिनी बाबू व श्री एच० एन० सेन आदि के साथ मिलकर उन्होंने वर्त्तमान विद्यान्त हिन्दू स्कूल की स्थापना सन् १९३८ में की। यह प्रतिष्ठान १९४६ में इण्टरमीडिएट तथा तत्कालीन उ०प्र० सरकार के मंत्री श्री चन्द्रभानु गुप्त जी के सहयोग से सन् १९५४ में डिग्री (कला संकाय) स्तर को प्राप्त कर सका। विद्यान्त बाबू चुप बैठने वाले नहीं थे। स्त्री–शिक्षा के प्रारम्भकर्त्ताओं में उनकी गिनती होती है। अपने स्वर्गीय मौसा जी, श्री शशिभूषण के नाम से उन्होंने बालिकाओं के लिये लालकुआँ में एक शशि भूषण कॉलेज की स्थापना की। बनारस में एंग्लो बंगाली कॉलेज, तथा रॉची में अस्पताल, बंगाल के कृष्ण नगर में एक विद्यालय, अल्मोड़ा के टी०बी० सेनेटोरियम की स्थापना का कृतित्व विद्यान्त बाबू के अर्थदान से ही परिपूर्ण होता रहा है। उनकी सेवाओं के सम्मान में ब्रिटिश सरकार ने उनको सम्मानित मजिस्ट्रेट पद पर नियुक्त किया। स्व० विद्यान्त जी का योगदान मात्र शिक्षा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। अनाथ निर्धन परिवारों को आर्थिक सहायता, आवास, उनके बच्चों की निःशुल्क शिक्षा, लड़कियों के विवाह आदि के लिए उन्होंने मुक्त ह्रदय से धन व्यय किया। कभी वे चाँदी की छड़ी, सोने का चश्मा लगाये, लम्बी बड़ी सी विक्टोरिया पर चढ़कर अदालत जाया करते थे, फिर विक्टोरिया का स्थान ब्रिटिश मोटर–कार रोल्स रॉयल्स ने ले लिया पर एक दिन अचानक श्री रामकृष्ण मठ के स्वामी जी ने सभा की बैठक में उनको स्वामी विवेकानन्द के सर्वस्व त्याग की कहानी सुनायी। उन्होंने तुरन्त भौतिक सुखों को त्यागने का निर्णय ले लिया। मठ को दान में रोल्स रॉयल्स मोटर कार प्रदान किया, अपनी चल–अचल सम्पत्ति का ट्रस्ट बना दिया ताकि उनके मृत्योपरान्त जन सेवा कार्य चल सके। शिक्षा के साथ विद्यान्त जी का सांस्कृतिक जीवन भी अत्यन्त समृद्ध था। वे स्थानीय काली बाड़ी ट्रस्ट, बंगाली क्लब, श्री हरि सभा आदि से आजीवन जुड़े रहे तथा अखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन के सभापति भी चुने गये। शिक्षा क्षेत्र की विदुषी श्रीमती लीला विद्यान्त से विवाह के पश्चात् इस दम्पति को सामाजिक कार्यों के प्रति और अधिक संलग्न होने का अवसर प्राप्त हुआ। सन् १९३८ में इस महाविद्यालय प्रांगण में उन्होंने माँ दुर्गा की अराधना को स्थाई रूप प्रदान किया, जिसका संचालन महाविद्यालय के निवर्तमान प्रबन्धक श्री तारू सेन की देखरेख में होता रहा।

''मैंने तो विद्यांत साहब की इच्छा की पूर्ति करने की चेष्टा की, यह तब परिपूर्ण होगी जब स्नातकोत्तर कक्षाएं भी यहीं से संचालित होंगी'' ऐसी इच्छा उनकी धर्म पत्नी स्व० श्रीमती लीला विद्यान्त जी की भी थी। वे शशिभूषण बालिका महाविद्यालय की प्राचार्य थीं। वह सेवा निवृत्ति के बाद ट्रस्टी एवं प्रबंधक के रूप में कई बार विद्यान्त जी की स्नातकोत्तर कक्षाओं के शुभारम्भ की इच्छा दोहरा चुकी थीं। सन् १९९३ में इतिहास, अर्थशास्त्र, समाज शास्त्र एवं वाणिज्य विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रारम्भ के लिए आवश्यक कार्यवाही का शुभारम्भ भी हुआ, परन्तु विद्यान्त दम्पति के जीवन काल में यह पुनीत कार्य जीवन्त रूप में परिलक्षित न हो सका किन्तु उनकी यह अभिलाषा तत्कालीन **प्रबन्धक स्व० तारूसेन जी के अथक परिश्रम से सत्र २००६–०७ में एम० काम० तथा एम० ए० (आधुनिक इतिहास) के रूप में परिपूर्ण हुई और आज महाविद्यालय परास्नातक महाविद्यालय के रूप में आपके सामने है।** विद्यान्त जी जीवन के संध्या काल में भी अपने कार्यालय में उपस्थित होते थे। इस समय तक उनकी अवस्था के लगभग ९० वसन्त पार हो चुके थे, परन्तु नियति की इच्छा के चलते ४ अगस्त, १९८४ को इस महान विभूति ने सदा के लिए अपने नश्वर शरीर को त्याग दिया। तदोपरान्त २०१३–१४ से वर्त्तमान प्रबन्धक श्री शिवाशीष घोष एवं प्रबन्ध समिति के सदस्यों की कर्त्तव्यनिष्ठा एवं लगन से आज महाविद्यालय चरमोत्कर्ष पर विराजमान है।

प्राचार्य का संदेश

विद्यांत कालेज का विद्यार्थी होने का गौरव

प्रो. धर्म कौर

प्रिय छात्र–छात्राएं,

स्नातक में प्रवेश लेने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के गौरवशाली महाविद्यालयों में एक विद्यांत हिन्दू पी0जी0 कॉलेज में आपका स्वागत है। अपने विद्यार्थियो के चहुँमुखी विकास एवं उनकी गगनचुंबी सफलता के लिए समर्पित इस महाविद्यालय से निकले विद्यार्थियों ने अकादमिक /सेना /पुलिस /सचिवालय /राजनीति /उद्योग/बैंक /व्यवसाय /लेखांकन/ संस्कृतिकर्मी एवं फैशन, नृत्य–संगीत/खेल आदि क्षेत्रों में सफलता एवं कीर्ति अर्जित की है।

इसमें आप भी एक हो सकते हैं। इनसे भी अधिक ऊंचाई हासिल कर सकते हैं। वर्ष 2023 में एम0काम0 और एम0ए0 इतिहास में यहां की छात्राओं ने गोल्ड मेडल हासिल करके यह प्रमाणित कर दिया है कि आधी दुनिया (फीमेल) को समान प्रतिष्ठा एवं महत्व देने वाले इस महाविद्यालय की छात्राएं, देश–विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में आशातीत सफलता प्राप्त करते हुए मानव–जाति, प्रकृति के उत्थान में अग्रणी भूमिका निभा सकती हैं। नियमित कक्षाएं करने के उपरान्त, पुस्तकालय एवं घर में अतिरिक्त अध्ययन करके, कैरियर एवं व्यक्तित्व के सर्वागीण विकास के संबंध में कक्षा में अपने आचार्यों से मार्गदर्शन लेकर यहां की छात्र/छात्राएं राष्ट्र एवं विश्व के लिए रोल मॉडल बन सकते हैं।यहां के विद्यार्थी रजत अवस्थी हरियाणा पी.सी.एस. में 2023 में 53वीं रैंक हासिल किए।इसी तरह आप आई.ए.एस. टॉपर भी हो सकते हैं। शासन–प्रशासन, उद्योग–उद्यम, कला एवं संस्कृति तथा खेल–कूद आदि विविध क्षेत्रों में आपके लिए अपार संभावनाएं हैं। इस कॉलेज में पढ़ने वाले प्रत्येक विद्यार्थी (छात्र/छात्राओं) के मन में और कर्म में यह रचा बसा है कि अपने व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास, कैरियर के लिए अपनी रुचि के क्षेत्र के चुनाव तथा राष्ट्र, विश्व एवं प्रकृति के उत्थान के लिए हम इस प्रख्यात कॉलेज में प्रवेश ले रहे हैं और जब यहां से निकलेंगे तो विद्यांतियन की गौरवशाली परम्परा में अपना नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित करवाएंगे। आपका मार्गदर्शन करने वाले आपकी सफलता एवं चहुंमुखी उन्नति के लिए हमेशा समर्पित रहने वाले आचार्य अपनी अकादमिक योग्यता के लिए पूरे देश–विदेश में जाने पहचाने जाते हैं।

जय हिन्द

व्यवसाय–मार्गदर्शन

(कैरियर काउंसलिंग)

उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत्

(Arise, awake and stop not till Goal is reached)

कठोपनिषद् की यह उक्ति स्वामी विवकानंद की सबसे पसंदीदा थी, उन्होंने समूचे विश्व में भौतिक से लेकर आध्यात्मिक जागरण के इस महामंत्र का उद्घोष किया– उठो! जागो ! और श्रेष्ठ व्यक्तियों से अपेक्षित ज्ञान प्राप्त करो। ज्ञान सूचनाओं का भंडार नहीं है, वह आप में निहित क्षमता को इस प्रकार जगाता है कि आप स्वयं और विश्व के उत्थान के लिए बाह्य संसाधनों का सम्यक् उपयोग कर सकें। इस महाविद्यालय का प्रत्येक आचार्य अपनी कक्षा में निर्धारित विषय पढ़ाने के साथ–साथ समय–समय पर व्यवसाय–मार्गदर्शन (कैरियर काउंसलिंग) भी करता है, अपने प्राध्यापक की मदद से विद्यार्थी अपनी रुचि के क्षेत्र में सर्विस पाने के लिए वांछित तैयारी करने लगते हैं। किन पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाओं का अध्ययन करना है, इसकी जानकारी आपको यू.जी. प्रथम सेम. में ही दे दी जाती है। आजकल अनेक छात्राएं–छात्र रोजगार पाने की बजाय रोजगार देने की भूमिका में उतरना चाहते हैं, उसके लिए वाणिज्य संकाय के आचार्य आपका मार्गदर्शन करते रहते हैं। समय–समय पर उद्यम–विशेषज्ञों का अतिथि व्याख्यान भी कराया जाता है। प्रशासनिक सेवाओं आई.ए.एस/पी.सी.एस. में जो छात्र/छात्राएं सम्मिलित होना चाहते हैं, उनके लिए महाविद्यालय में कुछ आचार्य निःशुल्क मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

विद्यांत कॉलेज में अकादमिक संगोष्ठियों, परिचर्चा, लेखक, कवि सम्मेलन, वाद–विवाद एवं रंगा–रंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों (वाद्य–नृत्य–गायन, नाट्य, फैशन एवं सौन्दर्य प्रतियोगिताएं) के आयोजन की अत्यंत समृद्ध परम्परा है। इन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों के आचार्यों एवं छात्र/छात्राओं की सहभागिता होती है। उनके माध्यम से ज्ञान एवं कर्म की अछोर दुनिया में विद्यार्थियों का प्रवेश होता है, उनका आत्म–विश्वास जगता है। विद्यार्थी आगे की चुनौतियों के लिए तैयार होते हैं। इनके माध्यम से सफलता एवं शोहरत की रोमांचक यात्रा के लिए आप अपने को मनचाहे ढंग से प्रशिक्षित कर सकते हैं। भरपूर अवसर, सटीक मार्गदर्शन, धैर्य के साथ कड़ी मेहनत से आप अपनी रुचि के क्षेत्र में शानदार सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

महाविद्यालय के आचार्यगण

प्रो0 धर्म कौर

प्राचार्य

कला संकाय

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

डॉ0 बृजेश कुमार श्रीवास्तव (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)

डॉ0 (श्रीमती) सुरभि शुक्ला (प्रोफेसर)

डॉ0 श्रवण कुमार गुप्त (प्रोफेसर)

संस्कृत विभाग

डॉ0 शालिनी साहनी (एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)

डॉ0 नेहा (असिस्टेंट प्रोफेसर)

अंग्रेजी विभाग

श्रीमती शिल्पी चौधरी (असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)

डॉ0 कुमुद (असिस्टेंट प्रोफेसर)

रिक्त

रिक्त

राजनीतिशास्त्र विभाग

डॉ0 (कु0) प्रभा गौतम (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)

डॉ0 (श्रीमती) अर्शी परवीन (प्रोफेसर)

डॉ0 बृजेन्द्र पाण्डेय (प्रोफेसर)

(इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्डीज शिमला में फेलो)

डॉ0 हेमेन्द्र कुमार सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर)

समाजशास्त्र विभाग

प्रो0 डी0 के0 त्रिपाठी (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)

डॉ0 भूपेन्द्र सचान (असिस्टेन्ट प्रोफेसर)

डॉ0 अमरेश कुमार त्रिपाठी (प्रोफेसर)

डॉ0 प्रीति (असिस्टेंट प्रोफेसर)

अर्थशास्त्र विभाग

डॉ0 ममता रानी भटनागर (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)

श्री मनीष श्रीवास्तव (एसोसिएट प्रोफेसर)

श्रीमती स्मिता मिश्रा (असिस्टेण्ट प्रोफेसर)

अरब संस्कृति विभाग

मानवशास्त्र विभाग

डॉ0 (श्रीमती) नीतू सिंह (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)

उर्दू विभाग

शिक्षाशास्त्र विभाग

डॉ0 जितेन्द्र कुमार पाल (असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)

डॉ0 शारदा सिंह (असिस्टेन्ट प्रोफेसर)

समाजकार्य विभाग

डॉ0 मो0 शहादत हुसैन (असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)

डॉ0 सौरभ पालीवाल (प्रवक्ता अंशकालिक)

प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग

डॉ0 आलोक भारद्वाज (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)

डॉ0 नरेन्द्र सिंह (प्रोफेसर)

इतिहास एवं एशियन संस्कृति विभाग

डॉ0 अमित वर्धन (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)

डॉ0 (श्रीमती) ऊषा देवी (प्रोफेसर)

श्री बृजभूषण यादव (असिस्टेन्ट प्रोफेसर)

आधुनिक इतिहास विभाग (स्ववित्त पोषित)

डॉ0 अनित श्रीवास्तव (असिस्टेण्ट प्रोफेसर)

शारीरिक शिक्षा विभाग

डॉ0 रमेश कुमार यादव (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)

वाणिज्य संकाय

डॉ0 राजीव शुक्ल
(प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष)
डॉ0 समीर कुमार (प्रोफेसर)
डॉ0 शशि कान्त त्रिपाठी (प्रोफेसर)
डॉ0 मो0 हनीफ (प्रोफेसर)
डॉ0 अभिषेक कुमार (असिस्टेन्ट प्रोफेसर)
डॉ0 राजकमल गुप्ता (असिस्टेन्ट प्रोफेसर)
डॉ0 हिमांशु पाण्डेय (असिस्टेन्ट प्रोफेसर)

व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग

डॉ0 दीप किशोर श्रीवास्तव
(प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)
श्री दिनेश कुमार मौर्य (असिस्टेन्ट प्रोफेसर)

एम0 काम0-स्ववित्त पोषित

डॉ0 गीतेश कुमार गुप्ता (असिस्टेन्ट प्रोफेसर)

बी0काम0 स्ववित्त पोषित

डॉ0 शान्तनु कुमार श्रीवास्तव (असिस्टेन्ट प्रोफेसर)
डॉ0 कुमार कौटिल्य (असिस्टेन्ट प्रोफेसर)

Managing Committee

Sri Gautam Sen Gupta - President
Smt. Anushree Majumdar - Vice President
Sri Shivashish Ghosh - Manager
Sri Avik Bhattacharya - Deputy Manager
Sri Pankaj Bhattacharya - Member
Sri Sunil Dutta - Member
Sri Shiv Shankar Dutta
Sri Pradeep Chakarvorti
Sri Sandeep Mohanto - Member
Prof. Smt. Dharam Kaur - Principal
Ex-Officio Member

कार्यालय संवर्ग

कार्यालय अधीक्षक, रिक्त
पुस्तकालय अधीक्षक, रिक्त
वरिष्ठ सहायक, रिक्त
सहायक लेखाकार, रिक्त
श्री सुनील कुमार (आशुलिपिक)
श्री सुरेन्द्र कुमार मिश्र (कार्यालय सहायक)
श्री मनोहर लाल यादव (कार्यालय सहायक)
श्री राजेश कुमार मिश्र (कार्यालय सहायक)
कु. जुही शुक्ला (कार्यालय सहायक)
श्री आलोक शर्मा (प्रयोगशाला सहायक)
प्रयोगशाला सहायक, रिक्त

चतुर्थ श्रेणी

श्री सुशील कुमार
श्री चन्द्रशेखर
श्री अखिलेश कुमार वर्मा
श्री अमित कुमार यादव
श्री विनय कुमार शुक्ल
श्री राजेश कुमार यादव
श्रीमती माया देवी
श्री रंजीत सिंह (प्रयोगशाला परिचर)
श्री भीम बहादुर
श्री श्रवण कुमार
श्री मुकेश कुमार
श्रीमती विमला (सफाई कर्मचारी)
रिक्त
रिक्त
रिक्त
रिक्त

स्ववित्त पोषित कार्यक्रम

श्री विमल कुमार (कार्यालय सहायक)
श्रीमती मीता चौधरी (कार्यालय सहायक)
श्री विश्वदीप दास (कार्यालय सहायक)
श्री विभोर मिश्र (कार्यालय सहायक)
श्रीमती लिपिका नन्दन (कार्यालय सहायक)
श्री विजय
श्री विवेक कुमार
श्री विशाल

प्रवेश सम्बन्धी आवश्यक निर्देश

(समस्त पाठ्यक्रमों में सह-शिक्षा एवं हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से अध्यापन) (CO-EDUCATION & BILINGUAL TEACHING) उपलब्ध है)

1. स्नातक कक्षाओं में प्रवेश इण्टरमीडिएट परीक्षा के प्राप्तांकों से बनी मेरिट सूची के आधार पर किया जायेगा। प्रवेश के लिए आवेदन पत्र स्पष्ट अक्षरों में भरा जाना आवश्यक है। प्रवेश से सम्बंधित समस्त जानकारी सूचना पट्ट पर चस्पा की जायेगी।
   आवेदन पत्र में वांछित सूचनायें प्रवेशार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना एवं प्रवेश के समय प्रवेशार्थी की व्यक्तिगत उपस्थिति आवश्यक है।
2. आवेदन पत्र पर पासपोर्ट आकार का स्वयं प्रमाणित फोटो लगाना आवश्यक है, रंगीन चश्मा लगाकर खिंचवाया गया फोटो स्वीकार्य नहीं होगा।
3. स्नातक कक्षाओं में प्रवेश हेतु हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षाओं की अंक–तालिकाओं की स्व–प्रमाणित छाया प्रतियाँ एवं अंतिम संस्थान से प्राप्त चरित्र प्रमाण पत्र की स्व–प्रमाणित छाया प्रति संलग्न करना होगा, जिसकी मूल प्रति प्रवेश के समय जमा करनी होगी।
4. बी.ए. एवं बी.क़ाम हेतु सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु 40 प्रतिशत न्यूनतम अर्हता एवं अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 33 प्रतिशत आवश्यक होगा।
5. एम.ए. एवं एम.कॉम के लिए 45 प्रतिशत न्यूनतम अर्हता एवं अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 40 प्रतिशत आवश्यक होगा।
6. आवेदन पत्र में भरी गयी सूचनाओं, संलग्न प्रमाण–पत्रों को आवश्यकतानुसार सत्यापित कराया जा सकता है, कोई भी सूचना गलत होने पर प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा एवं इसका दायित्व संबंधित विद्यार्थी का होगा।
7. प्रवेश होने के उपरान्त लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि पर परीक्षा फार्म भरकर सत्यापित अंक तालिका एवं इनरोलमेण्ट फार्म पर टी0 सी0/केन्द्र प्रमाण–पत्र (मूल प्रति) लगाकर अविलम्ब कैशियर के पास जमा करना होगा।
8. बी.क़ाम में प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों को निम्नलिखित में से एक परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए–
   (क) इण्टरमीडिएट परीक्षा वाणिज्य वर्ग
   (ख) इण्टरमीडिएट परीक्षा कला वर्ग, गणित विषय के साथ
   (ग) इण्टरमीडिएट परीक्षा कला वर्ग, अर्थशास्त्र विषय के साथ
   (घ) इण्टरमीडिएट परीक्षा विज्ञान वर्ग, गणित विषय के साथ
9. कला संकाय में विषयों का संयोजन निम्न प्रकार है :–

समूह (अ)	समूह (ब)
हिन्दी	अर्थशास्त्र
अंग्रेजी	राजनीतिशास्त्र
संस्कृत	समाजशास्त्र/समाज कार्य
प्राचीन भारतीय इतिहास/ इतिहास/	शिक्षाशास्त्र/मानवशास्त्र
अरब संस्कृति/ एशियाई संस्कृति	शारीरिक शिक्षा

10. समूह अ में हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, संस्कृत तथा प्राचीन भारतीय इतिहास एवं इतिहास एक साथ नहीं लिये जा सकते है।
11. समूह ब में समाज शास्त्र, समाज कार्य एवं मानव शास्त्र एक साथ नहीं लिये जा सकते है।

अ अभ्यर्थियों का समूह (अ) से समूह (ब) में उल्लिखित विषयों में से कम से कम एक विषय का चयन करते हुए दो MAJOR तथा एक MINOR विषय का चयन करना होगा। MAJOR 1 का अध्ययन 3–4 वर्ष, MAJOR 2 का अध्यन 3 वर्ष तथा MINOR का अध्ययन दो वर्ष के लिए करना होगा। इसके अतिरिक्त बी.ए. प्रथम सेमेस्टर में उन्हें INTRODUCTION TO GENDER STUDIES की पढ़ाई भी CO- CURRICULAR विषय के रुप में करनी होगी।

ब MAJOR विषयों में दो–दो तथा MINOR व CO- CURRICULAR में एक–एक प्रश्न–पत्र होगा। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 100 अंकों का होगा, जिसमें 75 अंक की THEORY तथा 25 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा।

स प्रवेश काउंसलिंग के समय अभ्यर्थियों को विषय–आवंटन उसकी मेरिट के आधार पर किया जायेगा।

(अ) परास्नातक (एम.ए. इतिहास तथा एम. कॉम) में प्रवेश स्नातक परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर बनी मेरिट सूची के आधार पर किया जायेगा।

(ब) इसी प्रकार परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट एवं स्नातक परीक्षाओं की अंक तालिकाओं की स्वप्रमाणित छाया प्रतियाँ तथा अंतिम संस्था से प्राप्त चरित्र प्रमाण–पत्र की स्वप्रमाणित छाया प्रति संलग्न करना होगा, समूह अ में हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, संस्कृत तथा प्राचीन भारतीय इतिहास एवं इतिहास एक साथ नहीं लिये जा सकते है।

12. समूह ब में समाज शास्त्र, समाज कार्य एवं मानव शास्त्र एक साथ नहीं लिये जा सकते है।
    अभ्यर्थियों का समूह (अ) से समूह (ब) में उल्लिखित विषयों में से कम से कम एक विषय का चयन करते हुए दो MAJOR तथा एक MINOR विषय का चयन करना होगा। MAJOR 1 का अध्ययन 3–4 वर्ष, MAJOR 2 का अध्यन 3 वर्ष तथा MINOR का अध्ययन दो वर्ष के लिए करना होगा। इसके अतिरिक्त बी.ए. प्रथम सेमेस्टर में उन्हें INTRODUCTION TO GENDER STUDIES की पढ़ाई भी CO- CURRICULAR विषय के रुप में करनी होगी।

12. MAJOR विषयों में दो–दो तथा MINOR व CO- CURRICULAR में एक–एक प्रश्न–पत्र होगा। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 100 अंकों का होगा, जिसमें 75 अंक की THEORY तथा 25 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा।
13. प्रवेश काउंसलिंग के समय अभ्यर्थियों को विषय–आवंटन उसकी मेरिट के आधार पर किया जायेगा।
(अ) परास्नातक (एम.ए. इतिहास तथा एम. कॉम) में प्रवेश स्नातक परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर बनी मेरिट सूची के आधार पर किया जायेगा।
(ब) इसी प्रकार परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट एवं स्नातक परीक्षाओं की अंक तालिकाओं की स्वप्रमाणित छाया प्रतियाँ तथा अंतिम संस्था से प्राप्त चरित्र प्रमाण–पत्र की स्वप्रमाणित छाया प्रति संलग्न करना होगा, जिसकी मूल प्रति प्रवेश के समय जमा करनी होगी।
14. एम.ए. इतिहास एवं एम.क़ाम. में प्रवेश के लिए न्यूनतम अर्हता स्नातक स्तर पर 45 प्रतिशत (सामान्य एवं अन्य पिछड़ा हेतु) एवं 40 प्रतिशत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए आवश्यक होगा।
15. एम.कॉम में प्रवेश हेतु बी.कॉम में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक अर्जित करना होगा। अनुसूचित जाति/जन जाति के विद्यार्थियों के लिए न्यूनतम 5 प्रतिशत छूट प्रदान की जायेगी।
16. प्रवेश सूची में घोषित समयावधि के अन्तर्गत संलग्न प्रमाण–पत्रों का मूल प्रमाण पत्रों से सत्यापन कराकर निर्धारित शुल्क महाविद्यालय में जमा कर देने पर ही प्रवेश पूर्ण माना जायेगा। समयावधि समाप्त होने के उपरान्त प्रवेश देने पर विचार नहीं किया जायेगा।
प्रवेश हेतु आवेदन–पत्र महाविद्यालय में जमा किया जायेंगे। डाक द्वारा भेजे गए आवेदन–पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
सभी कक्षाओं में प्रवेश आरक्षण संबंधी प्रावधानों के अनुसार होगा।

M.A. (History) Course Structure

The course structure of the Two Year Master in Medivel & Morden Indian History Programme under NEP 2020 shall be as follows :

Year	Semester	Course Type	Paper Title	Credits	Total
1	Semester 1	Core Course 01	Historiography and Methodology	04	20
		Core Course 02	History of Medieval India (Political & Administrative Aspects: 1206-1526)	04	
		Core Course 03	History of India (Political, Administrative & Constitutional Aspects: 1740-1813)	04	
		Core Course 04	History of India: Political, Administrative & Constitutional History: 1858-1905	04	
		Core Course 05	Project	02	
		Value added Course Credited (Intradepartmental)	Emergence of a Composite Culture During Medieval Period	02	
2	Semester 2	Core Course 06	Historiography and Historians	04	20
		Core Course 07	History of Medieval India (Political & Administrative Aspects: 1526-1739)	04	
		Core Course 08	History of India (Political, Administrative & Constitutional Aspects 1813-1857)	04	
		Core Course 09	History of India: Political, Administrative & Constitutional History : 1905-1947	04	
		Core Course 10	Women in Modern India	02	
		Interdepartmental Course	Reconstructing Modern India: Role of Social Reformers	02	
3	Semester 3	Core Course 11	Socio - Cultural & Economic History of Medieval India (1206-1526)	04	20
		Core Course 12	Freedom Struggle of India (1857-1920)	04	
		Core Course 13	Nawabi Regime in Awadh	04	
		Elective Course 13 a	Contemporary History of India (Political and Administrative Aspects: 1947-2000)		
		Elective Course 13b	Economic History of India: 1740-1947		
		Elective Course 14 a	Socio - Cultural & Economic History of Modern India: 1740- 1947	04	
		Elective Course 14 b	Environmental awareness in India		
		Elective Course 15 a	Project	02	
		Elective Course 15b	Project		
		Internship Field Work	Internship Report	02	
4	Semester 4	Core Course 16	Freedom Struggle of India (1920-1947)	04	20
		Elective Course 17 a	Socio- Cultural and Economic History of Mughal India	04	
		Elective Course 17 b	Socio- Cultural and Economic History of Contemporary India (1947-2000)		
		Elective Course 18 a	Project	04	
		Elective Course 18 b	Project		
			Dissertation	08	
			TOTAL CREDITS		80

Course Structure

The course structure of the **Master in Commerce (M.Com.)** programme w.e.f. from session 2025-26 shall be as under:

SEMESTER-I

Paper Code	Name of Paper	Credit	Remarks
MCCC-01	Accounting Theory & Practice	4	Core Course
MCCC-02	Financial Management	4	Core Course
MCCC-03	Direct Tax Law & Accounts	4	Core Course
MCCC-04	Marketing Management	4	Core Course
MCCC-05	Indian and Global Business Environment	2	Core Course
MCVIC/A	Foreign Language **OR** Yoga	2	Value Added Credited Course (Intradepartmental)
	Total	**20**	

Note: The student will choose any one Value Added Credited Course from MCVIC/A or MCVIC/B

SEMESTER-II

Paper Code	Name of Paper	Credit	Remarks
MCCC-06	Accounting For Business Decision	4	Core Course
MCCC-07	Indirect Tax Law & Account/ MOOCS	4	Core Course
MCCC-08	Labour Legislation	4	Core Course
MCCC-09	Business Research Methodology/ MOOCS	4	Core Course
MCCC-10	Business Analysis and Forecasting	2	Core Course
MCCIC	Artificial Intelligence in Business	2	Interdepartmental Course
	Total	**20**	

SEMESTER-III

Paper Code	Name of Paper	Credit	Remarks
MCCC-11	Corporate Accounting	4	Core Course
MCCC-12	Human Resource Management	4	Core Course

Choose any One Group*

MCEL-13A	Strategic Cost Accounting	4	Elective	**Group A**
MCEL-14A	Specialized Accounting	4	Elective	
MCEL-15A	Business Ethics & Corporate Governance	2	Elective	

MCEL-13B	Customer Relationship Management	4	Elective	**Group B**
MCEL-14B	Digital Marketing	4	Elective	
MCEL-15B	Logistic and Supply Chain Management	2	Elective	

MCEL-13C	Organisational Behavior	4	Elective	**Group C**
MCEL-14C	Labour Welfare and Social Security	4	Elective	
MCEL-15C	Entrepreneurship Development	2	Elective	

MCIN	Internship Field Work	2	Summer Internship
	Total	**20**	

***The group opted by student in Semester III will Continue in Semester IV**

SEMESTER-IV

Paper Code	Name of Paper	Credit	Remarks
MCCC-16	Forensic Accounting and Fraud Examination	4	Core Course

Choose any One Group

MCEL-17A	Indian Financial System	4	Elective	**Group-A**
MCEL-18A	Security Analysis and Portfolio Management	4	Elective	

MCEL-17B	Services Marketing	4	Elective	**Group-B**
MCEL-18B	Sales and Distribution Management	4	Elective	

MCEL-17C	Indusrial Psychology	4	Elective	**Group-C**
MCEL-18C	Management of Small Business	4	Elective	

MCMT	Master Dissertation & Viva-voce	**8**	Master Thesis
	Total	**20**	
	Grand Total (Sem. I to IV)	**80**	

MC- M.Com.; MCCC – Core Course; MCVIC – Value added course (Intradepartmental Credited); MCCIC – Interdepartmental Course; MCEL – Elective; MCIN – Internship Field Work; MCMT - Dissertation

B.Com (NEP) w.e.f. Session 2024-25

Yr.	Sem.	Major A (Subject 1)		Major B (Subject 2)		Minor (Subject 3)		CC/VC		Total Credits	Degree
		Course	Credits	Course	Credits	Course	Credits	Course	Credits		
1	Sem.1	P-1 : Financial Accounting	4	P-1 Business Organization	4	Q1: Currency Banking & Exchange	2	CC-1: Investing in Securities Market/ Personality Development/ Manpower Economics	2	20	Certificate
		P-2 : Micro Economics	4	P-2 : Essentials of Management	4						
	Sem.2	P-3 : Business Regulatory Framework	4	P-3 Principles & Practice of Marketing	4	Q2: Business Communication	2	VC-VC-1: Regulations of Insurance Business/ Personal Selling/ Credit Management	2	20	
		P-4 : Public Finance	4	P-4 : Selling & Advertising	4						

B.Com (NEP) w.e.f. Session 2024-25

Yr.	Sem.	Major A (Subject 1)		Major B (Subject 2)		Minor (Subject 3)		CC/VC		Total Credits	Degree
		Course	Credits	Course	Credits	Course	Credits	Course	Credits		
1	Sem.3	P-5 : Corporate Accounting	4	P-5 Income Tax Laws & Accounts	4	Q3: Information System & E-Business	4	CC-2: Work Stress Management/ Interview Preparation and Planning/ Behavioural Economics	2	20	Diploma
		P-6 : Statistical Methods	4	P-6 : Managing Human Resources	4						
	Sem.4	P-7 : Contemporary Audit	4	P-7: Institutional Framework for Business	4	Q4: Goods and Services Tax	2	VC-2: Digital Literacy/ Entrepreneurship/ Data Analysis using Spread Sheet	2	20	
		P- 8: Macro Economics	4	P-8 : Banking Operations	4						

Note:

1. Students will have to pass the Rashtra Gaurav for obtaining certificate, diploma, undergraduate degree or graduation honours with research, only once.
2. CC-Co-curricular course, select any one out of three.

विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित सीटों की संख्या

बी0 ए0	670
बी0 काम0	320
बी0 काम0 स्ववित्तपोषित	120
एम0 काम0 स्ववित्तपोषित	120
एम0 ए0 स्ववित्तपोषित	60

: शुल्क का विवरण :

बी.कॉम.

छात्रों हेतु बी.काम. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश हेतु आन-लाइन/बैंक ड्राफ्ट धनराशि **5370/-** (पाँच हजार तीन सौ सत्तर रुपये) एवं छात्राओं हेतु बी.काम. प्रथम एव द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश हेतु आन-लाइन/बैंक ड्राफ्ट धनराशि **5226/-** (पाँच हजार दो सौ छब्बीस रुपये) जमा करना होगा।

बी.ए.

छात्रों हेतु बी.ए. प्रथम एव द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश हेतु आन-लाइन/बैंक ड्राफ्ट धनराशि **4370 /-** (चार हजार तीन सौ सत्तर रुपये) एवं छात्राओं हेतु बी.ए. प्रथम एव द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश हेतु आन-लाइन/बैंक ड्राफ्ट धनराशि **4226/-** (चार हजार दो सौ छब्बीस रुपये) जमा करना होगा।

प्रवेश शुल्क

बी.काम. (स्ववित्तपोषित)	**6000/-**	प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क एवं इनरोलमेंट शुल्क सहित
एम0ए0 (आधुनिक इतिहास)	**6000/-**	प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क सहित
एम0काम0	**10000/-**	प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क सहित

*** ड्राफ्ट ''विद्यांत हिन्दू पी.जी. कॉलेज लखनऊ'' के पक्ष में देय होगा।**

अन्य विश्वविद्यालयों से अन्तिम परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को नामांकन शुल्क (इनरोलमेण्ट फीस) रू. **500/-** अतिरिक्त जमा करना होगा।

महाविद्यालय की निर्देशिका एवं प्रवेश आवेदन सम्बन्धित निर्देश महाविद्यालय की वेब साइट **www.vidyantcollege.org** पर भी उपलब्ध है।

अभ्यर्थी प्रवेश आवेदन पत्र महाविद्यालय की वेब साइट पर जाकर रु0 700/- जमा कर फार्म डाउनलोड कर उसकी प्रति महाविद्यालय में जमा करें।

महाविद्यालय में प्रवेश के उपरान्त जमा शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं किया जायेगा।

आरक्षण एवं भारण

इण्टरमीडिएट परीक्षा में प्राप्तांक प्रतिशत में भारण निम्न रूप में देय होगा।

ऊर्ध्वाधर आरक्षण एवं भारांक

(अ) उत्कृष्ट खिलाड़ी प्रमाणपत्र (राष्ट्रीय स्तर) 2.5 प्रतिशत

(ब) एन०सी०सी० 'बी'/सी प्रमाणपत्र 2.5 प्रतिशत

क्षैतिज आरक्षण

(अ) अनूसूचित जाति अधिकतम आरक्षण 21 प्रतिशत

(ब) अनुसूचित जनजाति अधिकतम आरक्षण 2 प्रतिशत

(स) अन्य पिछड़ा वर्ग अधिकतम आरक्षण 27 प्रतिशत

(द) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (केवल सामान्य श्रेणी हेतु) 10 प्रतिशत

आन्तरिक आरक्षण

(अ) लखनऊ विश्वविद्यालय तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के पुत्र/पुत्री/पति/पत्नी, अधिकतम आरक्षण 10 प्रतिशत। (प्रवेश के नियमानुसार)

(ब) विकलांगों के लिए 2 प्रतिशत।

(स) स्वतंत्रता सेनानियों के पुत्र/पुत्री/पौत्र अविवाहित पौत्री के लिए 2 प्रतिशत।

(द) भूतपूर्व सैनिकों के पुत्र/पुत्री के लिए 1 प्रतिशत।

1. अभ्यर्थी उपर्युक्त भारण एवं आरक्षण श्रेणियों में से केवल एक ही श्रेणी का लाभ ले सकता है, भारण अधिकार स्वरूप नहीं मांगा जा सकता है। इसका अंतिम निर्णय सक्षम अधिकारी की संस्तुति पर प्रवेश समिति द्वारा किया जायेगा।
2. उपर्युक्त भारण एवं आरक्षण लाभ पाने के लिए अभ्यर्थी को सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना होगा अन्यथा आवेदन पत्र सामान्य वर्ग के लिए मान्य होगा।
3. यदि कोई प्रवेशार्थी आवेदन पत्र जमा करते समय आरक्षण/भारण की मांग नहीं करता है तो बाद में इस दावे को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

ऐसे खिलाड़ी जिनके पास राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य स्तर पर खेलने का प्रमाण हो

आरक्षण एवं भारण	प्रमाण–पत्र देने हेतु सक्षम अधिकारी
1– उत्कृष्ट खिलाड़ी	लखनऊ विश्वविद्यालय/राष्ट्रीय स्तर एथलेटिक एसोसिएशन
2– विकलांग	जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी
3– स्वतंत्रता सेनानी	जिलाधिकारी
4– एन.सी.सी. बी प्रमाणपत्र	सक्षम अधिकारी
5– अनुसूचित जाति	तहसीलदार/अन्य सक्षम अधिकारी
6– अनुसूचित जनजाति	तहसीलदार/अन्य सक्षम अधिकारी

7– अन्य पिछड़ा वर्ग उपजिलाधिकारी/तहसीलदार का प्रमाण–पत्र।

8– विश्वविद्यालय के शिक्षक अथवा सम्बद्ध महाविद्यालय के शिक्षक के पुत्र/पुत्री/पति/पत्नी के लिए संबधित अधिष्ठाता/सम्बन्धित महाविद्यालय के प्राचार्य का प्रमाणपत्र।

ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने जनपद में चयन के पश्चात क्षेत्रीय टीम की ओर से अन्तर क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में पिछले दो वर्षो में भाग लिया है, डी0 आई0 ओ0 एस0/आर0 एस0 ओ0/डी0 एस0 ओ0 द्वारा दिये गये मूल प्रमाण–पत्र ही मान्य होंगे। अथवा ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने उत्तर प्रदेश का पिछले दो वर्षो में राष्ट्रीय अथवा अन्तर–प्रदेशीय प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व किया हो तथा ये प्रतियोगितायें मान्यता प्राप्त हों, प्रदेशीय खेलकूद संस्थाओं द्वारा दिये गये मूल प्रमाण–पत्र ही मान्य होंगे।

आवश्यक निर्देश

1. लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्र संख्या 7406–7655 दिनांक 26/3/2010 के द्वारा हिन्दी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद द्वारा संचालित प्रथमा, मध्यमा एवं अन्य उच्चतर परीक्षाओं की माध्यमिक शिक्षा उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा संचालित हाई स्कूल, इण्टरमीडिएट की परीक्षाओं से समतुल्यता को नियम विरुद्ध होने के कारण प्रवेश में रोक लगा दी है।
2. एक ही कक्षा में लगातार दो वर्षो तक निरन्तर नियमित छात्र के रुप में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
3. एक संकाय से दूसरे संकाय में स्थानान्तरण की अनुमति नहीं दी जायेगी।
4. किसी अभ्यर्थी के विरुद्ध यदि किसी आपराधिक मामले की प्राथमिकी दर्ज है और वह इस तथ्य को छिपाकर प्रवेश ले लेता है तो इसका संज्ञान होने पर उसका प्रवेश शून्य व अकृत माना जायेगा।
5. **यदि विद्यार्थी द्वारा महाविद्यालय के शिक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा पहुँचाई जाती है या महाविद्यालय के शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से अभद्र व्यवहार किया जाता है तो महाविद्यालय प्रशासन नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही करेगा।**
6. **महाविद्यालय परिसर में किसी भी रुप में रैगिंग पूर्णरुप से प्रतिबन्धित है। माननीय उच्च न्यायालय ने भी इस पर कठोर कार्यवाही की संस्तुति प्रदान की है। यदि कोई भी विद्यार्थी रैगिंग में लिप्त पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।**
7. **प्रवेश के समय अभ्यर्थी का व्यक्तिगत रुप में साक्षात्कार हेतु उपस्थिति अनिवार्य है।**
8. अभ्यर्थी के प्रवेश समिति के सम्मुख उपस्थित हुए बिना प्रवेश सम्भव नहीं होगा।
9. स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अनिवार्य है कि अभ्यर्थी उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद् की इण्टरमीडिएट परीक्षा 10+2 स्तर पर सभी विषयों के पूर्ण योग के कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हुए हों। अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 36 प्रतिशत अंक एवं शेष सभी के लिए 40 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं।
10. किसी भी कक्षा में अनुत्तीर्ण छात्र अगले सत्र में संस्थागत छात्र नहीं हो सकेगा। केवल उसे एक्जेम्पटेड परीक्षार्थी के रुप में परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति दी जायेगी।

    बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर में हिन्दी, समाजशास्त्र तथा राजनीति शास्त्र विषयों में प्रत्येक में अधिकतम 400 छात्रों के प्रवेश की अनुमति होगी।

सहगामी कार्यकलाप खेलकूद

शारीरिक एवं चारित्रिक गठन हेतु महाविद्यालय में क्रीड़ा आदि का यथासंभव समुचित प्रबन्ध है। अधिक से अधिक छात्रों को सक्रिय रुप से भाग लेकर इन सुविधाओं का लाभ उठाना चाहिए। खिलाड़ियों का आचरण क्रीडा स्थल तथा अन्य स्थलों पर उच्चकोटि का होना आवश्यक है।

पत्रिका

महाविद्यालय द्वारा वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है, इसमें विद्यार्थियों से विभिन्न विषयों पर रचनायें आमंत्रित की जाती हैं।

पुस्तकालय एवं वाचनालय

महाविद्यालय में विभिन्न विषयों की महत्वपूर्ण पुस्तकें उपलब्ध हैं। जिनका लाभ विद्यार्थी नियमानुसार आचार्यों के सहयोग से प्राप्त कर सकते हैं।

एन० एस० एस० (राष्ट्रीय सेवा योजना)

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की चार इकाइयां कार्यरत हैं। विस्तृत जानकारी हेतु विद्यार्थियों को कार्यक्रम अधिकारियों से सम्पर्क करना होगा। राष्ट्रीय सेवा योजना का संचालन भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अंतर्गत विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना के निर्देशों के अनुरूप महाविद्यालयों में स्नातक कक्षाओं के छात्रों के लिए किया जाता है। इसके अन्तर्गत भारत सरकार ने प्रौढ़ों को शिक्षित करने, उनको समाज की आवश्यकताओं के प्रति जागरूक रहने तथा शिक्षा के क्षेत्र में आगे लाने का संकल्प लिया है। इसके अन्तर्गत महाविद्यालयों द्वारा सतत शिक्षा, जन–शिक्षण और पापुलेशन एजुकेशन, एड्स जागरूकता, प्राथमिक शिक्षा, साक्षरता आदि से सम्बन्धित कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

प्रो० (श्रीमती) धर्म कौर
प्राचार्य
एम.ए., एम.फिल., पी–एच.डी.